

बढ़ रहा है कोरोना: देश में ओमिक्रोन के मरीज 1700 पार

भारत में ओमिक्रोन वैरिएंट के साथ ही कोरोना के पिछले वैरिएंट के मरीज भी तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना से 33,750 नए मरीज सामने आए हैं। वहीं इस दौरान 123 मरीजों की मौत भी हुई है। 10,846 मरीज ठीक होने के बाद अब देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 1,45,582 है। स्वास्थ्य मंत्रालय

हो चुके हैं जबकि मृतकों की संख्या 4,81,893 पहुंच गई है। बच्चों का टीकाकरण अभियान शुरू हो चुका है। अब तक 1,45,68,89,306 लोगों को टीका लग चुका है।

आ चुकी कोरोना की तीसरी लहर, दूसरी लहर से ज्यादा केस-हाल के दिनों में भारत में कोविड-19 मामलों में भारी उछाल देखा गया है।



कुछ शहरों में रातोंरात संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। दिल्ली में रविवार को 20 मई के बाद से एक दिन में सबसे ज्यादा मरीज मिले, यहां तक कि सरकारात्मकता दर बढ़कर 4.59% हो गई। ओमिक्रोन के मरीज भी तेजी से बढ़ रहे हैं।

आधिकारिक आंकड़ों से संकेत मिलता है कि 2022 के सिर्फ दो दिनों में रिपोर्ट की गई संख्या पिछले साल अगस्त और नवंबर के बीच दर्ज किए

गए मामलों की तुलना में अधिक है। यानी भारत में कोरोना की तीसरी लहर, दूसरी लहर पर भारी पड़ रही है। यह चिंता का विषय है। दिल्ली के साथ ही महाराष्ट्र का हाल भी ऐसा ही है। कर्नाटक राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सुधकर् ने बताया, कर्नाटक में 21 जनवरी को ओमिक्रोन के कुल 10 नए मामलों की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही प्रदेश में ओमिक्रोन मरीजों की संख्या 76 हो गई है।

30 लाख बच्चों को लगी वैक्सीन

देश में 3 जनवरी, यानी आज से 15 से 18 साल के बच्चों को कोरोना वैक्सीन लगाई जा रही है। अब तक करीब 30 लाख बच्चों को वैक्सीन की पहली डोज लग गई है। साथ ही टीके के लिए रजिस्ट्रेशन कराने वालों की संख्या 27 लाख को पार कर चुकी है। वैक्सीन देने और रजिस्ट्रेशन की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

जो कोविड-19 के हाई रिस्क ग्रुप का हिस्सा हैं। यानी मोटापा, डायबिटीज या अस्थमा से जूझ रहे ऐसे बच्चे, जिन्हें कोविड-19 से गंभीर बीमार होने का सबसे ज्यादा खतरा है, उनके लिए भी वैक्सीनेशन जरूरी है।

कोविड-19 से ज्यादा संक्रमित इलाकों में रहने वाले बच्चों के लिए भी वैक्सीनेशन जरूरी है।

साउथ अफ्रीका में ओमिक्रॉन की वजह से 5 साल से कम उम्र के बच्चों में हॉस्पिटलाइजेशन रेट बढ़ा है। ऐसे में भारत में ओमिक्रॉन को देखते हुए बच्चों का वैक्सीनेशन शुरू किया जाना एक जरूरी कदम है।

बच्चों के वैक्सीनेशन से उनके स्कूल जाने और खेल और अन्य भीड़-भाड़ से जुड़ी गतिविधियाँ में भाग लेना सुरक्षित होता है।

लखीमपुर खीरी कांड
आशीष मिश्रा मुख्य आरोपी
5000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली । लखीमपुर खीरी के तिकुनियां में 3 अक्टूबर को भड़की हिंसा के मामले में एसआईटी ने सोमवार को चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस हिंसा कांड के 88 दिन बाद एसआईटी ने चार्जशीट में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा उर्फ टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा उर्फ मोनू को मुख्य आरोपी बताया है। एसआईटी की चार्जशीट में बताया गया है कि हिंसा के वक्त आशीष मिश्रा घटनास्थल पर ही मौजूद था। एसआईटी ने चार्जशीट में 14 आरोपियों का नाम शामिल किया है। इस मामले में सोमवार को आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है। लखीमपुर खीरी हिंसा केस में मंत्री पुत्र आशीष मिश्रा सहित 13 आरोपी फिलहाल जेल में हैं।



इससे पहले लखीमपुर खीरी हिंसा केस में **SIT** ने बड़ा खुलासा किया था कि किसानों को मारने के मकसद से ही गाड़ी चढ़ाई गई थी। यह एक सोची समझी साजिश का हिस्सा था। **SIT** ने कोर्ट से धाराओं को और बढ़ाने का अनुरोध किया है। **SIT** ने कहा कि घटना स्थल और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के जरिए जो जानकारी मिली है उससे पता चलता है कि गलत इरादे से आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया।

विपक्ष कर रहा अजय मिश्रा के इस्तीफे की मांग

उत्तर प्रदेश में जनवरी 2022 के दूसरे सप्ताह में चुनाव के तरीखों की घोषणा हो सकती है। ऐसे में लखीमपुर हिंसा मामला भी सुखियों में है। विपक्ष लगातार अजय मिश्रा देनी की इस्तीफे की मांग कर रहा है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित कई अन्य विपक्षी दलों के नेता भी अजय मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं।

केजरीवाल-सिसोदिया पर 500 करोड़ की रिश्वतखोरी का आरोप

शराब के ठेके बांटने को लेकर कुमार विश्वास का ट्वीट, कहा-साले ने कराई डील

करने और 1000 नए ठेके खुलवाने का
लागू करने की सिफारिश लेकर 2016
शराब माफिया, दारू जमाखोर विधायक
मेरे पास आया था।
अग्रे लिखा, मैंने तो
भगाया था और दो
को चेताया था।
वाले के साले ने 5
की डील में मामला
लिया विश्वास के क
का कहना है कि उ
पोस्ट में दोनों ने



दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरी
डिट्टी छरू मनीष सिसोदिया के लिए
किया है। साथ ही छोटे वाले लिख
सिसोदिया की तरफ ही इशारा किय
सरकार ने नई शराब पॉलिसी में सर
के बजाय निजी वाइन शॉप को बढ़ाव
इस पॉलिसी के तहत दिल्ली में 849
दुकानें खोली गई हैं।

पाँलिसी में दिल्ली के साथ निर्विवाद रूप से विश्वास ने अमृतसर कर के नेताओं अब छोटे 100 करोड़ से सेट कर की रीबी सूचों में अपने आप और आल शीद इस्तेमाल कर उन्होंने है दिल्ली की ठेका दिया है। शराब की करोड़ रूप के डवलपमेंट प्रोजेक्ट नीव रखेंगे। इन प्रोजेक्ट्स में अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस-वे भी शामिल जो नेशनल कैपिटल को सीधे वैष्णो देवी मंदिर से जोड़ने के लिए तैयार किया जा रहा है। इससे दिल्ली से अमृतसर और कटरा में अब तक लगने वाला समय घटकर रह जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी के मुताबिक, पीएम के अमृतसर-एक्सप्रेस-वे को तैयार करने का वैष्णो देवी धाम तक आसान पहुंच अलावा प्रमुख सिख तीर्थ स्थलों आपस में जोड़ना है। इसके लिए अमृतसर-हिमालय प्रदेश के ऊना तक, जो फोरलेन कटरा भी शामिल है, जो कटरा नेशनल हाइवे को आपस में कनेक्ट



**कल पीएम मोदी रखेंगे दिल्ली-
कटरा एक्सप्रेस-वे की नींव**

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पंजाब पहुंचेंगे। वहां प्रधानमंत्री 42750 करोड़ रुपए के डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स की नींव रखेंगे। इस प्रोजेक्ट्स में दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस-वे भी शामिल है, जो नेशनल कैपिटल को सीधे वैष्णो देवी मंदिर से जोड़ने के लिए तैयार किया जा रहा है।

इससे दिल्ली से अमृतसर और कटरा पहुंचने में अब तक लगाने वाला समय घटकर आधा रह जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी इस एक्सप्रेस-वे को तैयार करने का मकसद वैष्णो देवी धाम तक आसान पहुंच बनाने के अलावा प्रमुख सिख तीर्थ स्थलों को भी आपस में जोड़ना है। इसके लिए अमृतसर से हिमाचल प्रदेश के ऊना तक हाइवे को फोरलेन करना भी शामिल है, जो चार प्रमुख नेशनल हाइवे को आपस में कनेक्ट करेगा।

मुख्यमंत्री की कैबिनेट बैठक आज

अभी मेडिकल कालेजों से संबद्ध अस्पतालों में कैंसर के मरीजों का इलाज कोबाल्ट मशीन से किया जाता है। यह उपचार की पुरानी तकनीक है। इसके स्थान पर लीनियर एक्सीलेटर उपलब्ध कराया जाएगा। प्रदेश में अभी तरह लीनियर एक्सीलेटर उपकरण उपलब्ध है। इसमें से मात्र एक शासकीय संस्था एम्स में क्रियाशील है। इसकी वजह से मरीजों को उपचार के लिए निजी संस्थानों या राज्य के बाहर जाना पड़ता है, जिससे उन पर अतिरिक्त वित्तीय भार आता है। इसे देखते हुए तय किया गया है कि भोपाल, इंदौर और रीवा मेडिकल कालेजों से संबद्ध चिकित्सालय में लीनियर एक्सीलेटर की स्थापना निजी जनभागीदारी योजना के तहत की जाएगी।

संचालन का काम सेवा प्रदाता द्वारा किया जाएगा। यह प्रस्ताव मालवागरी को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कोबाल्ट मशीन से कैंसर द्रव्यम के द्वारा से एक-दो सेंटीमीटर अधिक क्षेत्र में रेडिएशन दिया जाता है। जिसके कारण



स्वस्थ कोशिकाएं भी प्रभावित होती हैं और मरीज को कमजोरी, खून की कमी, सूजन जैसी समस्या होती हैं। कई मरीज इन समस्याओं के कारण इलाज अधूरा छोड़ देते हैं। जबकि, लीनियर एक्सीलेटर कैंसर उपचार के लिए आधुनिक तकनीक का उपकरण है।

इसके द्वारा सिर्फ कैसरगंज कोशिकाओं पर ही रेडिएशन किया जाना संभव है। इसे देखते हुए मेडिकल कालेजों में संबद्ध अस्पतालों में निजी सहभागीदारी योजना अंतर्गत भोपाल, इंदौर और रीवा में लीनियर एक्सिलेटर की स्थापना की जाएगी।

पंजाब: गवर्नर के जवाब के बाद मिलने नहीं गए के सीएम

चंडीगढ़। पंजाब में 36 हजार कर्मचारियों को पक्का करने के मुद्दे पर राज्य की चन्नी सरकार बैकफुट पर आ गई है। राज्यपाल बीएल पुरोहित के पील खोलने के बाद सीएम चरणजीत चन्नी सोमवार को उनसे मिलने नहई गए। जबकि पहले सरकार ने अफसरों और मंत्रियों को पास लेकर जाने की तैयारी कर ली थी। गवर्नर ने कहा था कि उन्होंने फाइल रोकी नहई बल्कि कुछ खामियों के बारे में जानकारी के लिए फाइल सीएम को लौटा दी थी। बता दें कि सीएम चन्नी ने गवर्नर बीएल पुरोहित पर आरोप लगाए थे कि उन्होंने भाजपा के दबाव में कर्मचारियों को पक्का करने की फाइल रोकी है। पंजाब में जल्द चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में धरूचन्नी इस फैसले को लागू करवाकर चुनावी लाभ लेना चाहते हैं। इसी वजह से 3 दिन पहले सीएम चन्नी ने चेतावनी तक दे दी थी कि अगर गवर्नर ने फाइल क्लियर नहई की तो वह मंत्रियों समेत राजभवन के बाहर धरने पर बैठ जाएंगे। सीएम चरणजीत चन्नी ने कहा था कि उनकी सरकार ने 36 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने का कानून पास किया। यह फाइल गवर्नर ने रोक ली। वह खुद भी मंत्रियों समेत मिलकर आए। 2 बार उनमें चीफ सेक्रेटरी जा आए, लेकिन गवर्नर ने फाइल पास नहई की। सीएम ने कहा कि पहले उन्हे लगा था कि गवर्नर व्यस्त हैं, लेकिन अब स्पष्ट है कि राजनीतिक कारणों से फाइल रोकी गई।

प्रधानमंत्री में बहुत घमंड है: राज्यपाल मेघालय

चंडीगढ़

मेघालय के गवर्नर सत्यपाल मलिक ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर हमला बोला है. हरियाणा के दादरी स्थित स्वामी दयाल धाम में माथा टेकने पहुंचे मलिक ने कहा कि कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन जारी रहने के दौरान वे पीएम मोदी से मिले थे. जब मुलाकात हुई तो वे बहुत घमंड में थे. मलिक ने यह भी कहा कि जब वे गृह मंत्री अमित शाह से मिले तो उनका कहना था कि किसान आंदोलन को लेकर पीएम को गलत फौडबैक दिया गया है. सत्यपाल मलिक मेघालय से पहले जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रह चुके हैं. वे किसान आंदोलन के समय भी केंद्र सरकार पर हमला करते रहे हैं. दादरी में उन्हें फौगट खाप ने सम्मानित किया. इसके बाद उन्होंने यह बातें कहीं.

यह कहा सत्यपाल मलिक ने - मलिक ने कहा, मैं किसानों के मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने गया. वहां मेरी 5 मिनट में लड़ाई हो गई. प्रधानमंत्री बहुत घमंड में थे. जब मैंने उन्हें कहा कि 500 लोग मर गए हैं, तो उन्होंने कहा- मेरे लिए मरे हैं? इस पर मैंने कहा कि आपके लिए तो मरे हैं, जो आप राजा बने हुए हो. वहां पड़गड़ा हो गया. सत्यपाल मलिक ने कहा कि पीएम मोदी

पर पीएम मोदी से मिला तो वे बहुत घमंड में थे



ने उन्हें गृह मंत्री अमित शाह से मिलने की सलाह दी. इसके बाद वे शाह से मिले तो शाह ने उनसे कहा कि सत्यपाल लोगों ने उन्हें गलत फीडबैक दिया है. तुम बेफिक्र रहो, मिलते रहो. किसी न किसी दिन उन्हें यह बात समझ आ जाएगी.

किसान आंदोलन फिर हो सकता है, पद छोड़ने तैयार- मलिक ने कहा कि किसान आंदोलन अभी खत्म नहीं, बल्कि स्थगित हुआ है. किसानों के साथ कोई नाईसामी या अत्याचार हुआ, तो यह दोबारा शुरू हो सकता है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को किसानों को एमएसपी पर कानूनी गारंटी देनी चाहिए. सरकार को ईमानदारी दिखाते हुए किसानों पर दर्ज केस तुरंत वापस लेना चाहिए.

उन्होंने कहा कि किसानों के लिए जरूरत पड़ी, तो व
गवर्नर का पद छोड़ने के लिए तैयार हैं.

आश्वासन के बावजूद किसानों की मांगें अधर में

दिल्ली के बॉर्डर पर सालभर से बैठे किसानों ने 11
दिसंबर 2021 को केंद्र सरकार के लिखित आश्वासन के
बाद घर वापसी की थी. केंद्र सरकार से किसान संगठनों
को आश्वासन दिया था कि न्यूनतम समर्थन मूल्य
(एमएसपी) के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी, जिसमें
सरकारी अधिकारियों के अलावा खेती विशेषज्ञ,
वैज्ञानिक और किसान यूनियनों के प्रतिनिधि शामिल
होंगे. हालांकि अभी तक इस कमेटी का गठन नहीं हुआ
है. आंदोलन के दौरान किसानों पर पुलिस ने हजारों कस
दर्ज किए. सरकार ने ये कस वापस लेने का भी भरोसा
दिलाया था मगर ऐसा नहीं हुआ है. हरियाणा में 48
हजार से ज्यादा किसानों पर दर्ज कुल 272 कसों में से
178 की चार्जशीट कोर्ट में फाइल हो चुकी है. 57 कस
अनट्रस्ट से जबकि 29 मामलों को रद्द करने की प्रक्रिया
पेंडिंग है. सिर्फ 8 कसों के कैंसलेशन पेपर तैयार हुए हैं.

थी वहीं इसी रात करौंदी गांव में चैतन्य साहू व धर्मेंद्र साहू के खेत में लगे मोटर पंप भी चोरी हुए थे चोरी की लगातार बढ़ रही घटनाओं से गांव में तरह-तरह की चर्चाओं का दौर जारी है। वहीं चोरी की घटनाओं के बढ़ने से ग्रामीण पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान उठा रहे हैं।

बुद्धनबाई को प्रशासन द्वारा उज्जवला योजना के अंतर्गत उन्हें निशुल्क गैस सिलेंडर, चूल्हा प्रदाय किया गया। बुद्धन बाई ने कहा कि मेरी उम्र 70 वर्ष होने के कारण मुझे खाना पकाने सहित अन्य कार्यों में काफी कठिनाई होती थी और मेरी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है कि मैं गैस चूल्हा ले सकूँ। लेकिन शासन द्वारा चलाई जा रही उज्जवला योजना के तहत अब मुझे गैस चूल्हा मिल जाने से खाना पकाने में सहूलियत होगी तथा मुझे लकड़ी हेतु इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उज्जवला योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है इसका लाभ सभी पात्र लोगों को लेना चाहिए। बुद्धनबाई ने मध्यप्रदेश शासन, जिला प्रशासन, सचिव, सरपंच को इस कार्य हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

संपादकीय

प्रलोभन परोसने की होड़

उत्तर प्रदेश, पंजाब सहित जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। वहां राजनीतिक पार्टियों में मतदाताओं को प्रलोभन परोसने की होड़ लग गई है। अभी तक चुनाव की तिथि घोषित नहीं हुई है। इसके बावजूद सभी राजनीतिक दल बोल कबाड़ने की जुगत में लग हैं। मतदाताओं का मन मोहने के लिए सभी एक से बढ़कर एक लोक लुभावन घोषणाएं कर रहे हैं। लगभग सभी पार्टियों ने किसानों का कर्जा माफ करने और किसानों को मुफ्त बिजली देने की घोषणा कर दी है। अब तो घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को भी 100 यूनिट से 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा की जा रही हैं। गौरतलब है कि मुफ्त बिजली और पानी का फार्मूला अपना कर आम आदमी पार्टी ने नई दिल्ली में प्रचंड बहुमत से अपनी सरकार बनाई थी। इसी के बाद से सभी पार्टियां अरविंद केजरीवाल का अनुशरण करने लगी हैं। नई दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब, गोवा और उत्तर प्रदेश में भी दिल्ली का फार्मूला लागू करते हुए 300 यूनिट बिजली फ्री देने की तथा बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने की घोषणा की है। इसी का असर यह हुआ है कि अब उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी ने सभी किसानों को मुफ्त बिजली देने और घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक निःशुल्क बिजली देने का एलान किया है। इस बीच अरविंद केजरीवाल ने पंजाब और गोवा की हर महिला को प्रतिमाह एक हजार रुपए देने की भी घोषणा कर दी है। देखना दिलचस्प होगा कि नोट देकर वोट कबाड़ने की उनकी इस कवायद का कौन-कौन सी पार्टी अनुशरण करती है। दरअसल अब राजनीतिक पार्टियों ने सत्ता हासिल करने के लिए इस तरह के प्रलोभन परोसना इसलिए शुरू कर दिया है क्योंकि उनके पास विकास का कोई विजन नहीं होता है। मतदाताओं को इस तरह के प्रलोभन परोसना अनैतिक है। समझ में नहीं आता कि चुनाव आयोग इस तरह की घोषणाओं पर रोक क्यों नहीं लगा पा रहा है। यह तो सीधे-सीधे वोट की खरीद फरोख्त है। मुफ्त खोरी को बढ़ावा देकर राजनीतिक पार्टियां एक निहायत गलत परंपरा को आगे बढ़ा रही है। चुनाव आयोग को चाहिए कि वह इस तरह की घोषणाओं पर तत्काल रोक लगाए।

विचार

इत्र की बदबू: राष्ट्रीय शिष्टाचार

इत्र से कितनी बदबू फैल सकती है, यह दुनिया को पहली बार पता चला। कन्नौज के इत्रवाले दो जैन परिवारों पर पड़ें छापों ने इत्र के साथ उत्तरप्रदेश की राजनीति की बदबू को भी उजागर कर दिया है। सच्चाई तो यह है कि इन छापों ने भारत की सारी राजनीति में

फैली बदबू को सबके सामने फैला दिया है। 22 दिसंबर को जब पीयूष जैन ने छाप पड़ा तो उसमें 197 करोड़ ₹., 26 किलो सोना और 600 किलो चंदन पकड़ा गया और पीयूष को जेल में डाल दिया गया। सारे खबरतंत्र से यह प्रचारित किया गया कि यह छाप समाजवादी पार्टी के कुबेर के संस्थानों पर पड़ा है। दूसरे शब्दों में यह पैसा अखिलेश यादव का है। कानपुर की एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने विरोधियों पर हमला करते हुए कहा कि यह भ्रष्टाचार का इत्र है। इसकी बदबू सर्वत्र फैल गई है। यह बदबू 2017 के पहले फैली थी। तब तक अखिलेश उग्र के मुख्धमंत्री थे लेकिन अखिलेश ने कहा कि यह छाप गलतफहमी में मार दिया गया है। दो जैनों में सरकार भ्रमित हो गई। पीयूष जैन का समाजवादी पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। सरकार ने पुष्पराज जैन की जगह गलती से पीयूष जैन के यहां छाप मार दिया। अब सरकार ने पुष्पराज जैन के यहां भी छाप मार दिया है। अखिलेश का मतव्य है कि पीयूष के यहां से निकला धन भाजपा का है तो भाजपा नेताओं का कहना है कि पुष्पराज तो समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। उनके यहां जो भी काला धन पकड़ाएगा, वह सपा का ही होगा। यदि अखिलेश पहले छापे का मजाक नहीं उड़ाते तो शायद उनके जैन पर दूसरा छाप नहीं पड़ता लेकिन अब भाजपा ने हिसाब बराबर कर दिया है। इन छापों से हमारे सभी नेताओं की छवि खराब होती है। जनता को लगता है कि ये सभी भ्रष्ट हैं। इनमें से कोई धरा का धुला नहीं है। चुनवाों के मौसम में की जा रही इस छापामारी से सत्तारूढ़ दल की छवि भी चौपट होती है। अपने विरोधियों को बदनाम और तंग करने के लिए ही ऐसे छापे इस समय मारे जाते हैं। पिछले कई साल से सरकार को लकवा कर्मों हुआ पड़ा था? इसके अलावा ये छापे उसी रास्ते में क्यों पड़ रहे हैं, जिसमें चुनाव सिर पर हैं? क्या भाजपा को हार का डर सता रहा है? यदि देश में अर्थ-शुद्धि करनी है तो ऐसे छापे सबसे पहले सरकारों को अपने ही पार्टी-नेताओं पर मारने चाहिए, क्योंकि उनके पास शुद्ध हरामखोरी का ही पैसा जमा होता है। उद्योगपति और व्यापारी तो अपनी बुद्धि और मेहनत से पैसा कमाते हैं, ये बात अलग है कि उनमें से कई टैक्स-चोरी करते हैं। इन छापों ने यह भी सिद्ध किया है कि मोदी सरकार की नोटबंदी की नाक कट गई है। नोटबंदी के बावजूद यदि करोड़ों-अरबों ₹. इत्रवालों के यहां से नकद पकड़े जा सकतें हैं तो बड़े-बड़े उद्योगपतियों और व्यापारियों ने अपने यहां तो खरबों ₹. नकद छिपा रखे होंगे। नेताओं और पैसेवालों की सांठ-गांठ ने ही भ्रष्टाचार को राष्ट्रीय शिष्टाचार बना दिया है।

पाठकों की बात

शीत लहर की देश मे ऐसी पड़ी

शीत लहर की देश मे ऐसी पड़ी चपेट! लिया सभी ने कान पर, मफल्तर आप लपेट !! पारा इतना गिर गया, गिरी भयानक बर्फ़। मुख से मारे ठंड के, नही निकलते हर्फ़।। तस जेष्ठ हो शीत या, भीगा श्रावण मास! लगते हैं सब खास जब , महबूबा हो पास !!

रमेश शर्मा

एक बात पूछनी है

महान विचारक

एक बात पूछनी है महान विचारक चिंतकों वकाओं से ? ये जो सनातन के भगवाधारी दलाल आजकल चुनाव के वक्त धर्म संसद कर रहे है और सनातन की दुहाई दे रहे है ये महान भगवाधारी दलाल पालघर साधुओं की हत्या के वक्त कहाँ थे? तब इसका ज़मीर कुम्भकरण की तरह क्यों सोया हुआ था? **नवीन शंकर शर्मा**



विष्णु गुप्त

कश्मीर में भी गुपती मोहम्मद सईद, महबूबा गुपती सईद, फारूख अब्दुला, उमर अब्दुला की सरकारों के लिए आतंकवादियों के लिए महत्त्व नीति लायी थी। महत्त्व नीति के तहत हजारों आतंकवादियों की भारत वापसी करायी गयी थी और उन्हें विभिन्न प्रकार की सहायताएं दी गयी थी। इसके अलावा हरियत के जितने भी नेता है जो कमी न कमी भारत छोड़कर गये थे और पाकिस्तान की इच्छानुसार भारत में आतंकवाद फैलाया था। हरियत के नेताओं को कश्मीर में सुरक्षित पनवार दिया गया। पाकिस्तान परस्ती वाले मुस्लिम आतंकवादी यह जानते हैं कि जब वे कनगोर पड़ जायेंगे तो फिर आतंकवाद छोड़ने का नाटक कर मासूम और गुमराह भ्रम्य बन जायेंगे और फिर उनकी सुरक्षित भारत वापसी हो जायेगी। राजिया बीबी के बच्चे पाकिस्तान में पैदा लिये हुए हैं। राजिया बीबी के बच्चे बड़े होंगे तो वे सीधे तौर पर भारत से नागरिकता मांगेंगे।

चैतन्य भट्ट

आपने और दूसरे प्रदेश की सरकारों को पता नहीं किसने ये बाला दिया कि कोरोना नाम का जो वायरस है वो केवल रात के ग्यारह बजे के बाद आगयी लेकिन के साथ बाहर निकलता है रा दिन भर वो आपने घर में भीतर से ताला लगाकर आराम करता है और जेबे ही रात के ग्यारह बजाते है उसकी नाइट ड्यूटी शुरू हो जाती है जगह जगह घूम घूम कर वो लोगों को संकलित करना चाहता है लेकिन इन नेताओ की होशियारी से उसे एक भी शिकार नही मिला रहा है क्योंकि पैसी ही इस कठपुतली राउ में लोग बाड रात के दस बजे घर के अंदर हो जाते है और कोरोना वायरस जब एक रैक्टर लेकर कभी कर के, पाउडर लगा कर जब तक बाहर निकलता है तब तक पूरी सड़ोय सुहायन हो जाती है बेगार रात भर शिकार कि तलाश ने मारा मारा फिरता है और जेबे ही सुबह के पांच बजाते है उसकी ड्यूटी ऑफ हो जाती है वो घुमपन विदेश मन से आपने घर लौट के आ जाता है घ आपन आगयी सरकारों की बात मान लें तो आपने को एक बात तो समझन में आ गयी की सचमुच वे कोरोना साला पूरा अड्ड ही है,

अभिव्यक्ति

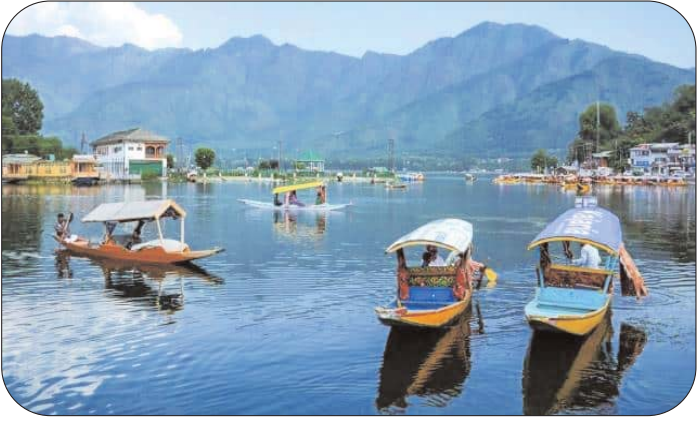
नर्क से स्वर्ग वापसी का हथकंडा?

नर्क से स्वर्ग वापसी। नर्क कौन है और स्वर्ग कौन है, नर्क से स्वर्ग में वापसी किसकी हुई है? नर्क पाकिस्तान है, स्वर्ग भारत है और नर्क से स्वर्ग में वापसी राजिया बीबी की हुई है। यह वापसी सहज है या फिर असहज है, यह वापसी स्वाभाविक है या फिर अस्वाभाविक है, यह वापसी त्रासदीपूर्ण है या फिर हथकंडेपूर्ण है? लेकिन इस तरह की वापसी को लेकर भी बहुत सारी चर्चाएं हो रही हैं और इस तरह की वापसी पर बहुत सारे प्रश्न खड़े किये जा रहे हैं? चर्चाएं और प्रश्न के घेरे में आईएसआई और पाकिस्तान है। इस तरह की वापसी को सधारण वापसी नहीं मानी जा रही है बल्कि एक साजिश के तहत वापसी मानी जा रही है।

अगर एक साजिश के तहत इस तरह की वापसी हो रही है तो यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति बहुत बड़े खतरे की सूचक है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पाकिस्तान और उसकी बदनाम गुप्तचर एजेंसी आईएसआई भारत विखंडन की नीति के तहत विभिन्न प्रकार की साजिशें रचते रहते हैं। जब पाकिस्तान ने सीधे युद्ध और आतंकवाद के माध्यम से भारत विखंडन की नीति में विफल रहा तब पाकिस्तान ने भारत का इस्लामीकरण करने के हथकंडे अपनाये, भारत पर आबादी आक्रमण कराये और अब भारत में अपने खूंखार नागरिकों की वापसी करा रहा है। भारत को सिर्फ मानवीय दृष्टि से देखने की जरूरत नहीं है। भारत को अपनी सुरक्षा की दृष्टि से भी देखने की जरूरत है। भारत को पाकिस्तान मुस्लिम नागरिकों या फिर पाकिस्तान परस्त मुस्लिमों का धर्मशाला नहीं बनने देना चाहिए,भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को बर्बाद नहो कर कदापि नहीं बनना चाहिए, वैसे पाकिस्तानी नागरिकों को नहीं बनना चाहिए जो भारत को पाकिस्तानी हिंसा से लहलुहान करने की नीति में शामिल थे।

राजिया बीबी कौन है? राजिया बीबी की भारत वापसी कैसे हुई है? राजिया बीबी का जन्म तो कश्मीर में हुआ। पर उसके माता-पिता राष्ट्रद्रोही निकले, उसके माता पिता भारत विखंडन का स्वाद देखने लगे थे, उसके माता-पिता भारत विखंडन के लिए पाकिस्तान परस्त हो गये थे। जब कोई पाकिस्तान परस्त हो जायेगा तो फिर उसे अपना देश और अपने लोग बूरे लगने लगते हैं। राजिया के माता-पिता की पाकिस्तान परस्ती चरम पर पहुंच गयी और आतंकवादी बनने का स्वाद देखते-देखते पाकिस्तान चले गये थे। उस समय राजिया बीबी की उम्र चार साल थी। जब राजिया बीबी 13 साल की हुई तब उसकी शादी एक आतंकवादी से कर दी

गयी। वह आतंकवादी कोई और नहीं बल्कि राजिया बीबी के भाई का ही दोस्त था। भारत विरोधी आतंकवादी को दोस्त बना लेना यह प्रमाणित करता है कि राजिया बीबी के परिजन सीधे तौर पर राष्ट्रद्रोही थे और भारत विरोधी थे। आतंकवादियों की जिंदगी कितने दिनों की होती है? आतंकवादियों की जिंदगी कैसी होती है, यह सब जानते हैं। राजिया बीबी का शौहर एक दिन भारतीय सुरक्षा बलों के द्वारा मारा गया। राजिया बीबी बताती है कि उसके शौहर के मारे जाने के बाद उसे 30 हजार रुपये मिले थे और दो साल तक



दस-दस हजार रुपये प्रति महीने मिल रहे थे। दो साल के बाद वे रुपये भी मिलने बंद हो गये थे।

राजिया बीबी कहती है कि उसका जीवन नर्क में बदल गया था, वैसी औरतों के लिए पाकिस्तान नर्क है जिनके शौहर आतंकवादी गतिविधियों में मारे जाते हैं। स्वभाविक तौर पर राजिया बीबी की जिंदगी भी नर्क बनी थी। उसके पास न तो रोजगार था और न ही जीविका का अन्य साधन था। राजिया बीबी के बच्चे भी थे। मुस्लिम औरतें कितनी बच्चे जन्म देती हैं, यह भी स्पष्ट है। राजिया बीबी के सामने बच्चों का पालन करना भी एक समस्या थी। राजिया बीबी कहती है कि उसने अपनी मां की सहायता से पैसे का जुगाड़ किया और भारत आने की सोची। राजिया बीबी पहले पासपोर्ट बनवाती है और उसके बाद कतर जाती है, कतर से नेपाल उड़ती है, नेपाल से भारत में घुसपैठ करती है और कश्मीर पहुंच जाती है। चार दिन थाने में रहने के बाद उसकी जमानत होती है और अब वह आराम से कश्मीर में रह रही है, भारत की सहायता पर पल रही है।

राजिया बीबी की भारत वापसी की कहानी सहज नहीं है, असहज है और बहुत बड़े खतरे की घंटी भी है। राजिया बीबी को मालूम था कि वह सीधे भारत नहीं आ सकती है,

कहो तो कह दूँ – कोरोना वायरस दिन में सोता है और सिर्फ नाइट ड्यूटी करता है



सरपंचों को तो इन सांसद जी के चरण धो धो कर पीने चाहिए जिन्होंने उन्हें पंद्रह लाख का भ्रष्टाचार करने का लायसेंस दे दिया है घ उन सांसद जी ने साफ हिसाब किताब भी बतला दिया, वे कहते हैं सात लाख इस चुनाव में लगा गए, एक बार जो सरपंच बन जाता है वो चाहता है कि अगली बार भी वो चुना जाए तो सात लाख अगली बार के लिए भी चाहिए चूँकि मेहराऊं डायन खाये जात है इसलिए एकस्ट्रा एक लाख और मान लो यानि सात धन सात और एक कुल जमा पंद्रह लाख हो गए तो इतना ठीक है वैसे एक हिसाब से सांसद महोदय ने ठीक ही कहा है इस देश में केवल दो लोग ही भ्रष्टाचार नहीं कर रहे हैं पहला वो जिसे भ्रष्टाचार करने का मौका नहीं मिल पा रहा है और दूसरा वो जो डर के मारे भ्रष्टाचार नहीं कर पा रहा है सच ही तो कह रहे हैं सांसद जी, आदमी अपने जेब से थोड़ी न लगाएगा पैसा, और यदि लगाती है भी तो उसे वसूल करने का पूरा है भी तो है और फिर जब इस देश की संसद के सदस्य जब उनके भ्रष्टाचार को जायज ठहरा रहे हैं तो फिर डर काहे का छअभी तक तो ये सुना था कि चुनाव आयोग चुनाव खर्च की सीमा तय करता है ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी सांसद ने सरपंचों के लिए भ्रष्टाचार की सीमा तय कर दी हो वैसे जिस गति से मंहगाई बड रही है अगले दो चार पांच साल में ये नेताजी भ्रष्टाचार की सीमा

पच्चीस लाख तक कर देंगे ऐसा अपना अटल विश्वास है **ये मोबाइल जो कराये थोड़ा है**

जबसे मोबाइल अस्तित्व में आया है लोगों की दूरियां सिमत गई हैं घर बैठे आप विदेश में बैठे अपने चाहने वाले से बात कर सकते हो, घर में हो, ऑफिस में, बाजार में, मरघटाई हो आराम से बात हो जाती है लेकिन ये मोबाइल, कई बार अलर्ट भी दे देता है अब देखो न अपने कालीचरण महाराज**क** ने रायपुर में हुई धर्म संसद में महात्मा गांधी को जी भर कर कोसा गालियां दी गोडसे को सलाम किया, छाती दो कंक ठीक कर कहा की मैं नहीं उरता, मुझे मरुचू दंड दे दो लेकिन जैसे ही एफआईआर हुई दम दबाकर भाग निकले इधर छत्तीसगड पुलिस भी हाथ धोकर पीछे लगी थी कि कहीं से भी महाराज को दूढ़ निकालेगी और बस एक गलती कालीचरण जी से हो गयी बीच में एक बार अपना मोबाइल ऑन कर लिया इधर मोबाइल ऑन हुआ उधर पुलिस को लोकेशन का पता चल गया और एक ही झटके में कालीचरण महाराज को आधी रात को धर लिया गया न वे अपना मोबाइल ऑन करती न पकड़े जाते, इसलिए इस बात से इस बात की शिक्षा मिल रही हैं की जो जो लोग फरारी काट रहा हैं भले ही उनकी जान चली जाए लेकिन मोबाइल ऑन न करना वरना कालीचरण महाराज बनते देर न लगेगी घ

सुपर हिट ऑफ द वीक
ये पलंग क्यों ले आये श्रीमती जी ने श्रीमान जी से पूछा

धनतेरस थी न श्रीमान जी ने कहा लेकिन धन तेरस से पलंग का क्या कनेक्शन है श्रीमती जी ने फिर पूछा कहते हैं न, धनतेरस पर सोने का कुछ खरीदते हैं इसलिए श्रीमान जी ने समझाया

विशेष

दुनिया के सात अजूबों में शुमार आगरा के ताजमहल को निहारने वाले सैलानियों को पड़ोसी शहर इटावा में चंबल के बीहड़ में बना ‘लॉयन सफरी पार्क’ अब ज्यादा लुभा रहा है। शनिवार को नये साल के मौके पर भारी तादात में आसपास ही नर्क बल्कि दूर दराज के इलाकों से भी पर्यटक इटावा सफरी पार्क देखने के लिए पहुंचे। पार्क प्रबंधन को मानें तो इन सैलानियों में अधिकांश आगरा से ही आये लोग थे। इटावा सफरी पार्क के उपनिदेशक अरूण कुमार सिंह ने यूनीवार्ता को बताया कि नव वर्ष के मौके पर कुल 3005 पर्यटक इस पार्क में आये। इनमें 421 बच्चे भी शामिल हैं। सैलानियों की आमद से लॉयन सफरी की एक ही दिन में 5.35 लाख रुपये की आमदनी भी हुई है। उन्होंने बताया कि पिछले साल नये साल के मौके पर यहां आये पर्यटकों से लॉयन सफरी को आधी से थोड़ा अधिक, 2.92 लाख रुपये की ही आय हुई थी। सिंह का कहना है कि आगरा से करीब होने के कारण लॉयन सफरी का महत्व स्वतः बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि ताजमहल में नये साल या अन्य अवसरों पर सैलानियों का भारी हुजूम उमड़ने के कारण आगरा और आसपास के लोग इस तरह के मौकों पर सैर सपाटे के लिये इटावा आना मुनासिब समझते हैं। सिंह ने कहा कि इस पजह से लॉयन सफरी का आकर्षण पहले की तुलना में अधिक बढ़ रहा है।

आज का इतिहास

नयी दिल्ली । भारत और विश्व के इतिहास में 03 जनवरी की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं- 1831: देश की पहली शिक्षिका सावित्रीबाई फुले का जन्म। 1836: मुंशी नवल किशोर का जन्म। 1880ः'इलस्ट्रेटिड वीकली ऑफ इंडिया' का पहला अंक बनवाई में प्रकाशित। 1938: अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डी रूजवेल्ट ने पोलियो की बीमारी का इलाज ढूँढने के लिए एक फउंडेशन की स्थापना की। रूजवेल्ड 1921 में इस बीमारी की चपेट में आए थे। 1959: अलास्का को अमेरिका का 49वां राज्य घोषित किया गया। 1969: मशहूर फ़ॉर्मूला वन कार रेसर माइकल शूमाकर का जन्म हुआ। 1977: स्टीव जॉब्स और स्टीव वॉजिन्याक ने एपल की स्थापना की। बाद में ये दुनिया की सबसे वैल्यूबल कंपनियों में से एक बनी। 1993: अमेरिका और रूस इस बात पर राजी हुए

कि वह अपने अपने परमाणु हथियारों के भंडार को आधा कर देंगे। 2001: हिलेरी क्लिंटन ने न्यूयार्क के सीनेटर के तौर पर शपथ ग्रहण की। वह देश के इतिहास में पहली पूर्व प्रथम महिला हैं, जिन्होंने चुनावी विजय हासिल की। 2004: मौल के अन्वेषण के लिए निकला अंतरिक्ष यान रोवर स्पिरिट ग्रह के रासायनिक और भौतिक संयोजन के अध्ययन के लिए मौल पर उतरा। 2004: मिस्त्र की विमानन कंपनी फ्लैश एयरलाइंस के बोइंग 737 विमान 604 के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी 148 लोग मारे गए। 2014: अल कायदा के चरमपंथियों ने इराक के बक्तुजा में पुलिस मुख्यालय को नुकसान पहुंचाया और इलाके को अपने कब्जे में बताते हुए उसके एक स्वतंत्र क्षेत्र होने का ऐलान किया।



हो चलें हम विदा सुनूं मैं दिसम्बर, हो चला हूँ विदा सबने बहुत प्यार और दुलार दिया। मैं अपने आंगोश में आपकी सब समस्याएँ ले चला आपकी बहुत सी बीमारियाँ हताशए , अस्मायिक मौत , शर्म , आपकी असफलताएँ सब ले चला और आपकी झोली में दे रहा हूँ एक नया वर्ष जिसमें ताकत हो आपकी संपत्तकी का लम्बे जीवन की ढेरों खुशियों से भरी झोली शान्ति अच्छ स्वास्थ्य सही राह जीवन में उन्नति दे !!!!! आने वाला वर्ष आपको नवजीवन दे !!!!!

सीमा राय द्विवेदी



हवन करो मत करो पार्टी, हवन से शुद्धि होती कोरोना के भय में फिर से दिखी है वृद्धि होती। फिर से ये आतंक मचाने नये रुप में आया बुरा वक्त जिन पर गुजरा वो आँख आज भी रोती खुशी नही है उसके दिल में जिसने प्रियजन खोये साल अगर अच्छ होता तो न ये जिन्दगी खोती नया साल आ गया है फिर से नयी आपदा लेकर भगवन सबको जीवन देना, ये सस्ता न मोती नये साल में रहे सुरक्षित, और सभी आबाद रहे नये साल में खड़ी हुई सिर फिर से नयी चुनोती।

शालिनी शर्मा

नव वर्ष के जश्र कार्यक्रम में एसआईटी ग्रुप ने विद्यार्थियों का किया स्वागत

शिक्षा के साथ नैतिक मूल्य एवं राष्ट्र प्रेम विकसित करने के लिए संकल्पित : श्रीमती गुप्ता

सीधी। एसआईटी र्गुप ऑफ इंस्टीट्यूशनस द्वारा प्रथम वर्ष में प्रवेशित छात्र छात्राओं का स्वागत समारोह का आयोजन किया गया साथ ही सामुहिक रूप से प्रभु की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर समाज मे सभी के लिये मंगल कामना की गयी। इसके पश्चात विद्यालय की संचालक श्रीमती ज्योति गुप्ता, डॉ. अन्नपूर्णा सिंह, एडमिन ऑफि सर राकेश कौल के मुख्य अतिथ्य में भव्य संस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती विद्यार्थियों के द्वारा दी गयी। उक्त कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति के कई रूप देखने को मिलें।

विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रेम विकसित करने के लिए दृढ़ संकल्पित – श्रीमती गुप्ता-महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं एसआईटी कॉलेज के कला संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ अशोक गुप्ता के स्वागत उद्बोधन से कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया किया। फं शर स्टूडेंट्स के लिए विभिन्न गेम्स में प्रोफेसर्स द्वारा निष्पक्ष निर्णायक मंडल का कार्य किया गया, सभी गेम्स टेक्नोलॉजी एवं पीपीटी बेस्ड रहें। श्रीमती ज्योति गुप्ता ने



उद्बोधन में कहा की संस्थान द्वारा स्वावलम्बन युक्त शिक्षा के साथ.साथ नैतिक मूल्य आधरित राष्ट्र प्रेमी नौजवान विकसित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। श्रीमती गुप्ता के द्वारा शुभकामना देकर समस्त विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की और सदैव सफ लता के नये आयामों को प्राप्त

करने के लिए प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया गया।

मिस्टर एंव मिस का मिला खिताब – एसआईटी ग्रुप के मिस्टर फ्रे शर 2022 का ताज नीरज चौधरी तथा मिस फं शर 2022 का ताज राधा नावैत ने अपने नाम किया। इसके पश्चात् विभिन्न विधाओं में विजेता छात्र छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र

प्रदान किये गए। कार्यक्रम का मंच संचालन नर्सिंग कालेज की छात्राओं रागिनी पाण्डेय एवं श्वेता सिंह चंदेल द्वारा किया गया। सांस्कृतिक प्रभारी सदीप सिंह एवं उनकी पूरी टीम द्वारा सफल मंच समाचन किया गया। अभिषेक सिंह के द्वारा कार्यक्रम में पथारे सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं कार्यक्रम की आयोजन समिति के कार्यों की सराहना की गयी साथ ही छात्र छात्राओं को यह आश्चस्त किया की आपके सर्वांगीण विकास हेतु महाविद्यालय में समय समय पर विभिन्न सांस्कृतिक खेल कूद एवं बौद्धिक प्रतियोगिताएं आयोजित करता रहेगा।

ये रहें मौजूद – उक्त कार्यक्रम में रावेन्द्र पाण्डेय, रजनीश द्विवेदी, जय सिंह, अंजनी तिवारी के साथ एसआईटी कॉलेज, दिव्यज्योति पैरामेडिकल कॉलेज के सभी प्राध्यापकगण एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहें। कार्यक्रम समापन के बाद नव वर्ष के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों द्वारा केक काटते हुए बड़े ही उत्साह के साथ नाच गाने में धूम मचाते नजर आयें।

मुख्यमंत्री चौहान 7 जनवरी तक लगातार करेंगे विभागीय समीक्षा बैठकें

विभागों के क्रियाकलापों का जायजा लेने के लिए 52 बैठक की रूपरेखा तय

नव प्रदेश सीधी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जन-कल्याण की योजनाओं के सुदृढ़ क्रियान्वयन के लिए सतत समीक्षा आवश्यक है। पूर्व वर्षों में भी नियमित समीक्षा के फलस्वरूप मध्यप्रदेश अनेक योजनाओं में बेहतर परिणाम लाने में सफल रहा है। समाधान ऑन लाइन जैसे कार्यक्रम भी लंबित जन-समस्याओं के निराकरण में उपयोगी हैं। सुशासन के लिए इन सभी माध्यमों का निरंतर उपयोग किया जाएगा। नव वर्ष का प्रथम सप्ताह समीक्षा बैठकों का सप्ताह होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय और सामान्य प्रशासन विभाग ने दिनांकवार बैठकों की रूपरेखा बनाई है।

तीन जनवरी से शुरू होगा बैठकों का सिलसिला-मुख्यमंत्री श्री चौहान सोमवार 3 जनवरी को 15 से 18 वर्ष के बच्चों के टीकाकरण अभियान का शुभारंभ करने के बाद सामान्य प्रशासन, वित्त, गृह, जेल, वाणिज्यिकर,

श्रम, खेल एवं युवक कल्याण, अध्यात्म और वन विभाग सहित नौ बैठकें लेंगे।

मंगलवार, 4 जनवरी को मुख्यमंत्री श्री चौहान केबिनेट बैठक के बाद विधि-विधायी कार्य, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, सहकारिता, किसान-कल्याण तथा कृषि विकास, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य-विकास, पशुपालन, ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम विभाग से संबंधित कुल नौ बैठकें लेंगे।समीक्षा बैठकों के क्रम में बुधवार, 5 जनवरी को खाद्य-नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सामाजिक न्याय एवं निरुक्षकजन कल्याण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, लोक निर्माण, स्कूल शिक्षा, विमानन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास, पर्यटन संस्कृति, खनिज साधन विभाग सहित 11 बैठकें होंगी।मुख्यमंत्री श्री चौहान

गुरुवार, 6 जनवरी को पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, अनुसूचित जाति कल्याण, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमकड़ एवं अर्द्ध घुमकड़ जनजाति कल्याण, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, आयुष, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास, नगरीय विकास एवं आवास विभाग सहित कुल 11 बैठकों में कार्यक्रमों और योजनाओं की समीक्षा करेंगे।समीक्षा बैठकों की इस श्रंखला के आखिरी दिन 7 जनवरी को मुख्यमंत्री श्री चौहान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उच्च शिक्षा, लोक सेवा प्रबंधन, जनसंपर्क, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास, महिला-बाल विकास, उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, परिवहन, पर्यावरण, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन और राजस्व विभाग की गतिविधियों की 12 बैठकें लेंगे।

बढ़ती महामारी को देखते हुए सभी परीक्षायें ऑन लाइन या ओपेन बुक परीक्षा प्रणाली से कराई जाये : पंकज उपाध्याय

रीवा नवप्रदेश ! टीआरएस कॉलेज के एनएसयुआई अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में एस.एस.यू.आई. के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय रीवा का घेराव कर जिलाध्यक्ष रीवा को मओप्र0 शासन के उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कहा की भारत देश के कई राज्यों में ओमीक्रोन वायरस एवं कोरोना महामारी तेजी के साथ अपना पैर पसारना शुरू कर दिया है, वहीं मध्य प्रदेश व रीवा जिले में भी कोरोना वायरस के मरीज तेजी के साथ बढ़ रहे हैं, जिसको

देखते हुये राज्य सरकार व जिला प्रशासन भी सामाजिक कार्यक्रमों एवं अन्य प्रकार के कार्यक्रमों मे कुछ पावन्धिया लगा दी गई है, ऐसे में यदि महाविद्यालयों की परिक्षायें पूर्व की भांति ली जाती है तो छात्रों की ओमीक्रोन वायरस व कोरोना वायरस के बीमारी में संलिस होने की पूर्ण सम्भावना है। एवं यह मांग की गइ कि उक्त परिस्थितियों को देखते हुये छात्र हित में सभी महाविद्यालयों की परीक्षायें पूर्व की भांति न करा कर बल्कि सभी परीक्षायें ऑन लाइन अथवा ओपन बुक के माध्यम से



कराया जाना उचित व आवश्यक रूप से जिला सचिव सत्यम मिश्रा, शिवम मिश्रा, विशाल

कुशवाहा, शशिमोल तिवारी, विपिन आदिवासी, प्रतीक द्विवेदी, अनुराग सिंह, प्रियांशु मिश्रा, गौरव सिंह, अमन मिश्रा, दिव्यांश भारती, जयप्रकाश कुशवाहा, अंकित कुशवाहा, अभिषेक सोनी, अश्वनी सोंधिया, सुभेन्द्र साकेत, ओमप्रकाश त्रिपाठी, पावस मयंक शर्मा, पियूष विश्वकर्मा, सतीष पाठक, जीवेन्द्र साकेत, निनय आदिवासी, अभिषेक पटेल, राज साकेत, अमित, पुनीत, अमन, दुर्गेश, महेन्द्र, सुधीर, सौरभ, प्रांशु, सौरभ, धीरेश शर्मा, अभिषेक

उपाध्याय, आदर्श शर्मा, आदर्श त्रिपाठी, रोहित सेन, आकाश अग्निहोत्री, विवेक साकेत, पियूष उपाध्याय, अभिषेक द्विवेदी, सागर शर्मा, गौरव मिश्रा, प्रशांत सिंह, बृजेश द्विवेदी, अमन तिवारी, अभिषेक दाहिया, सतीष खटिक, आर्यन कुशवाहा, कुष्णा पाण्डेय, प्रकाश शुक्ला, निखिल यादव, दिवाकर सोंधिया, बिमलेश यादव, सचिन विश्वकर्मा, अभय पाण्डेय, रोहित शुक्ला, जय वर्मा, सुयश आदि सैकड़ों की संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

राष्ट्रगान तथा राष्ट्रगीत के गायन के साथ नए वर्ष का हुआ आगाज

नव प्रदेश सीधी। नव वर्ष के पहले समय-सीमा बैठक की शुरुआत राष्ट्र गान तथा राष्ट्र गीत के गायन के साथ किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर मुजीबुर्रहमान खान द्वारा सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई है। कलेक्टर श्री खान ने कहा कि इस नव वर्ष में नई ऊर्जा और स्फूर्ति के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहें तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा लक्ष्यों की प्राप्ति में अपना योगदान करें। कलेक्टर द्वारा सभी से अपने सामाजिक एवं परिवारिक दायित्वों के प्रति भी सजग रहने को कहा गया है। कलेक्टर ने कहा कि कोरोना का संकट अभी पूरी तरह से टला नहीं है। हमारे पड़ोसी जिलों रीवा और शहडोल में कोरोना संक्रमण के मामले प्रकाश में आए हैं। हमें अब और अधिक सतर्कता और सावधानी रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सभी कोविड प्रोटोकॉल का स्वयं भी पालन करें तथा दूसरों को भी पालन करने के लिए प्रेरित करें। कलेक्टर श्री खान ने कहा कि जिले में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रत्येक व्यक्ति को कोरोनारोगी वैक्सीन की डोज लगाने के लिए अभियान चलाया गया है। इस अभियान में सभी की सक्रिय सहभागिता आवश्यक होगी। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण के स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री खान ने कहा कि सीएम हेल्पलाईन विभागीय कार्य कुशलता बढ़ाने में बहुत उपयोगी है। सीएम हेल्पलाईन योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों, मैदानी स्तर पर बरती जा रही लापरवाहियों एवं कमियों की तरफ हमारा ध्यान आकृष्ट करती है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग प्रमुख सीएम हेल्पलाईन की नियमित समीक्षा कर आ रही कठिनाइयों एवं कमियों को दूर कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर सकते हैं जिससे जिले में योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिलेगा और विभाग की छवि में सुधार होगा।

15 से 18 वर्ष के बच्चों को लगाई गई कोविड वैक्सीन की पहली डोज

नव प्रदेश सीधी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार सोमवार को प्रदेश में 15 से 18 वर्ष की उम्र के युवाओं का कोविड टीकाकरण महाअभियान का शुभारम्भ किया गया। सीधी जिले में प्रथम दिवस के लिए 145 टीकाकरण केन्द्र बनाए गए थे। जिला टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि टीकाकरण महाअभियान के पहले दिन 12 हजार से अधिक बच्चों को कोविड वैक्सीन की पहली डोज लगाई गई है। टीकाकरण को लेकर युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। विद्यालयों में स्थगित टीकाकरण केन्द्रों में विशेष सजावट की गई थी। स्वास्थ्य विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कलेक्टर मुजीबुर्रहमान खान के निर्देशन में सभी सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित किए गए थे। टीकाकरण केन्द्रों के विषय में छात्रों तथा अभिभावकों को पूर्व से ही सूचना प्रदान की



गई थी जिसके कारण सभी के केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति पर्याप्त थी। टीकाकरण केन्द्रों में बच्चों के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए

शिक्षकों तथा चिकित्सीय स्टॉफ की भी उपस्थिति थी। टीकाकरण होने के बाद छात्रों तथा अभिभावकों द्वारा शासन की इस पहल की सराहना की गई। छात्रों ने कहा कि उन्होंने पहले अपने अभिभावकों को टीकाकृत करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्हें भी अपनी बारी का इंतजार था जो प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी की पहल पर आज पूरा हुआ है। उन्होंने 15 वर्ष से अधिक उम्र के सभी से कोविड वैक्सीन की डोज लगवाने की अपील की है। जिला टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि अभी तक जिले में 7 लाख 11 हजार व्यक्तियों को पहली डोज तथा 6 लाख 71 हजार से अधिक को दोनो डोज लगाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि विद्यालयीन छात्रों के दृष्टिगत अधिक से अधिक विद्यालयों में टीकाकरण सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही ड्यू लिस्ट के आधार पर अन्य हितग्राहियों के लिए भी व्यवस्थाएं की गई हैं।

कोतवाली थाना क्षेत्र में 20 घंटे के अंदर चाकूबाजी की तीन घटनाएं

दमोह। नगर में एक बार फिर चाकूबाजी की घटनाएं सामने आई हैं नववर्ष की शुरुआत होते ही जहां कोतवाली थाना अंतर्गत 20 घंटे के अंदर तीन अलग-अलग घटनाओं में तीन

को लेकर बिना किसी बातचीत के अचानक आकर मेरे भाई और मुझ पर चाकू से हमला कर दिया जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वहीं दूसरी ओर शनिवार को जहां समूचा जिला नव वर्ष मना रहा था वहीं बजरिया वार्ड 7 और बजरिया वार्ड 3 में दो अलग-अलग चाकू की घटनाओं में भी दो युवक गंभीर रूप से

घायल हो गए इसमें जहां राहुल पुत्र रज्जन अहिरवाल 19 वर्ष को बृजेश अहिरवार द्वारा चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वहीं नरेंद्र पुत्र डालचंद अहिरवार उम्र 20 वर्ष को भी चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था जिस पर दोनों का जिला अस्पताल में इलाज कराया गया है। पुलिस द्वारा तीनों मामलों में जहां मामला

स्वसहायता समूह को हटाने जनपद सीईओ ने भेजा प्रतिवेदन

तेंदूखेडा तेजगड ग्राम में संचालित प्राथमिक शाला में जयराम स्वसहायता समूह स्कूल के बच्चों को मिलने वाले भोजन में अनुमान से कम भोजन देने के साथ गुणवत्ताहीन भोजन दे रहा था जिसकी शिकायत अभिभावकों द्वारा की गई थी किन्तु जांच नहीं हुई उनके बाद फिर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत होने के बाद समूह संचालक पर कोई कार्रवाई न होने के बाद उनकी मनमानी काफी बड़ गई थी। जिसके विरोध में स्कूल अध्यक्ष और अभिभावकों ने गुणवत्ताहीन भोजन के वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल किए थे। यह मामला मीडिया में आने के बाद दूसरे दिन तेंदूखेडा बीआरसी जब जांच के लिए मौके पर पहुंचे तो उनको भी भोजन में गुणवत्ता और औसत अनुमान से कम मिली उसी दिन तेंदूखेडा जनपद सीईओ ने भी स्कूल का निरीक्षण किया था।

बन्द पडे पंचायतो के तमाम हैंड पम्प,कार्यलय से निरंक लिट् रहे शिकायत कर्ता



तेंदूखेडा/दमोह। तेंदूखेडा जनपद के अंतर्गत आने वाली तमाम पंचायतो के अधिकतर हैंड पम्प बन्द पड़े हुए हैं।ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी के मुख्य स्रोत हैंड पम्प ही है।अगर हैंड पम्प खराब हो जाते हैं तो ग्रामीणों के सामने विकट समस्या उत्पन्न हो जाती है जिससे लोग शिकायत करने के लिए लोग तेंदूखेडा के लोक स्वास्थ्य ग्रामीण यांत्रिकी विभाग आते हैं लेकिन तेंदूखेडा कार्यालय में उच्च अधिकारी ना होने कि

वजह से उनका यहां आना निर्थक साबित हो जाता है।जब कोई शिकायत सुनने वाला ही नहीं होगा तो समस्या जस की तस बनी रहेगी और ग्रामीणों को यू ही परेशानी का सामना करना पडता है।शासन के द्वारा इन बन्द पड़े हैंडपम्पो को सुधारने के लिए पर्याप्त मात्रा में साधन और कर्मचारियों की ब्यवस्था की हुई है मगर तेंदूखेडा कार्यालय में कोई उच्च अधिकारी ना होने की वजह से ये सारे साधन और कर्मचारी बेकार सिद्ध हो रहे

हैं।ग्राम पंचायत बमनोदा, सर्रा, पूरा झलोन ससना, बिसना खेडी, धनगोर, समनापुर आदि पंचायतो के आधे से अधिक हैंड पम्प खराब पड़े हुए हैं।इनकी शिकायत करने को लोग लागतार कार्यालय में आ रहे हैं और अधिकारी ना आने की वजह से लोगो का आना बेकार हो जाता है। कार्यालय के उपयंत्री एस के साहू ने बताया कि हम समस्याओं की जल्द ही निपटालेगे



बालिका महाविद्यालय के मुहाने पर ठेलों के बहाने से सक्रिय असामाजिक तत्व, पुलिस नहीं दे रही ध्यान

रीवा नवप्रदेश ! बालिका महाविद्यालय के आसपास किसी न किसी बहाने से असामाजिक तत्वों का जमावडा लगता रहता है। चाहे वह रीवा जिले का कन्या महाविद्यालय हो या सतना का कन्या महाविद्यालय अथवा अन्य कॉलेजों में जहां लड़कियां पडने जाती हैं वहां असामाजिक तत्व मडराते मिल जाएंगे। जिसका कारण होता है कि या तो विवाद होते हैं अथवा कई लड़कियां पडाई ही छोट देती हैं। लेकिन इस दिशा में पुलिस को नजर नहीं पडती है। अभी हाल ही में एक मामला सिंगरौली जिले का सामने आया था जहां एक युवक सरेआम लडकी से अभद्रता कर बैठा जिससे विवाद की स्थिति निर्मित हुई थी।

इसके अलावा अन्य कॉलेजो अथवा स्कूलों के आसपास ऐसे लोगों का जमावडा रहता है जिस पर पुलिस को नजर रखना आवश्यक है। पुलिस यदि कालेजों के आसपास लगने वाली दुकानों पर कडाई रखना शुरू करे और यहां बैठने वाले लोगों कडा बर्ताव रखे तो समस्या नहीं होगी।

यही हाल है सतना जिले की ईंदिरा गांधी शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय है। कॉलेज के आसपास इन दिनों फिर अवांछित गतिविधियां दिखाई देने लगी है। यहां चाट फुल्की सहित अन्य सामानों के ठेले लगाने वाले सहित यहां कथित एंबुलेंस और शव वाहन खड़े करने वालों की हरकते कभी भी कोई बड़ी घटना को अंजाम दे सकती है।

इनके बहाने यहां मौजूद रहने वाले असामाजिक तत्वों द्वारा कॉलेजी छात्राओं के साथ अशोभनीय हरकतें की जा रही है। राह चलती छात्राओं से छींटकशी की स्थितियां भी नजर आने लगी है। इस तरह की हरकतों की जानकारी मिलने पर प्राचार्य ने पूर्व में नगर निगम आयुक्त को पत्र लिख कर यहां अवैधानिक रूप से खड़े होने वाले ठेलों और वाहनों को हटाने की मांग की थी लेकिन कोई असर नहीं देखा गया।

वैक्सिन का टीका लगाने से उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा। टीका लगाने से उन्हें कोरोना का संक्रमण नहीं होगा। उन्होंने किशोरों को कोविड वैक्सिन का टीका लगाने के लिए प्रोत्साहित भी किया।

